सोनम वांगचुक को जबरन ले गई पुलिस! पत्नी ने दी सरकार को चेतावनी

विषय सूची (Table of Contents):

>> नीट विवाद सोनम वांगचुक जंतर-मंतर से हटाए गए, सफदरजंग अस्पताल में कराए गए भर्ती...
>> अस्पताल के मेडिसिन विभाग में किया गया शिफ्ट...
>> पत्नी गीतांजलि की चेतावनी बिना परिवार की सहमति के न दी जाए कोई दवा...
>> सहमति पत्र के बिना इलाज पर रोक की मांग...
>> वांगचुक का हेल्थ अपडेट डिहाइड्रेशन और पोटैशियम लेवल गिरने से बिगड़ी तबीयत...
>> इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन और जान का खतरा...
>> दिल्ली पुलिस की कार्रवाई हाई कोर्ट के आदेश और डॉक्टरों की सलाह का दिया हवाला...
>> दिल्ली हाई कोर्ट के निर्देशों का पालन...
>> आंदोलन नहीं रुकेगा वांगचुक की जगह अब पत्नी गीतांजलि करेंगी चलो संसद मार्च का ...
>> सोमवार को योजना के अनुसार आगे बढ़ेगा मार्च...
>> समर्थकों का पुलिस पर आरोप जबरन घसीटने और मारपीट करने का दावा...
>> तड़के सुबह की गई पुलिसिया कार्रवाई...
>> आगे की रणनीति नई बेमियादी भूख का ऐलान और 20 जुलाई का मार्च तय समय पर...
>> अभिजीत दीपके बैठेंगे बेमियादी अनशन पर...
>> निष्कर्ष...
>> जनता के सवाल (FAQs)...

दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहा विरोध प्रदर्शन एक नए मोड़ पर आ गया है। नीट (NEET) परीक्षा में कथित अनियमितताओं और धांधली के खिलाफ पिछले 20 दिनों से अनिश्चितिकालीन भूख हड़ताल पर बैठे प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को दिल्ली पुलिस ने शनिवार तड़के धरना स्थल से हटा दिया है। वांगचुक की भूख हड़ताल का आज 21वां दिन था, लेकिन उनके गिरते स्वास्थ्य को देखते हुए प्रशासन ने यह कड़ा कदम उठाया है। इस बड़ी कार्रवाई के बाद जंतर-मंतर पर तनाव का माहौल है और भारी संख्या में सुरक्षा बलों को तैनात कर दिया गया है।

सोनम वांगचुक को प्रदर्शन स्थल से सीधे दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मेडिकल निगरानी में रखा गया है। इस घटनाक्रम के बाद उनके समर्थकों और सरकार के बीच टकराव और तेज होने की आशंका है। यदि आप सोनम वांगचुक के जीवन और उनके प्रेरणादायी सफर के बारे में अधिक जानना चाहते हैं, तो हमारी विशेष रिपोर्ट3 इडियट्स का सच: आमिर खान ने सोनम वांगचुक पर किया बड़ा खुलासा!को पढ़ सकते हैं।

नीट विवाद: सोनम वांगचुक जंतर-मंतर से हटाए गए, सफदरजंग अस्पता

शनिवार की सुबह करीब 7:40 बजे दिल्ली पुलिस की एक बड़ी टीम जंतर-मंतर पहुंची और 20 दिनों से अनशन पर बैठे 60 वर्षीय सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक को जबरन वहां से हटा दिया। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई के दौरान धरना स्थल पर मौजूद प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाकर्मियों के बीच तीखी

बहस और हल्की अफ़रातफ़री देखने को मिली।

अस्पताल के मेडिसिन विभाग में किया गया शिफ्ट

जंतर-मंतर से हटाने के बाद वांगचुक को तुरंत सफदरजंग अस्पताल (Safdarjung Hospital) ले जाया गया। अस्पताल प्रशासन से मिली लेटेस्ट अपडेट (latest update) के अनुसार, सबसे पहले आपातकालीन चिकित्सा (इमर्जेंसी मेडिसिन) विभाग ने उनके स्वास्थ्य की जांच की। इसके बाद उनकी नाज़ुक स्थिति को देखते हुए उन्हें मेडिसिन विभाग के विशेष वार्ड में भर्ती कर लिया गया है, जहां डॉक्टरों की एक टीम उनकी लगातार निगरानी कर रही है।

पत्नी गीतांजलि की चेतावनी: बिना परिवार की सहमति के न दी जाए

सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे अंगमो भी इस समय सफदरजंग अस्पताल में मौजूद हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (X) पर एक बेहद भावुक और चेतावनी भरा पोस्ट साझा किया है। गीतांजलि ने अस्पताल प्रशासन और डॉक्टरों से स्पष्ट रूप से कहा है कि उनके पति को उनकी इच्छा के विरुद्ध कोई भी मेडिकल ट्रीटमेंट न दिया जाए।

सहमति पत्र के बिना इलाज पर रोक की मांग

गीतांजलि ने मीडिया और अस्पताल प्रबंधन के सामने अपनी मांगें रखते हुए निम्नलिखित मुख्य बातें कहीं:

>> मौखिक या नस के ज़रिए दवा पर रोक:सोनम वांगचुक को मुंह के ज़रिए (Oral) या नसों के माध्यम से (IV Fluids) कोई भी तरल पदार्थ या दवा तब तक न दी जाए, जब तक परिवार अपनी लिखित सहमति न दे दे।

>> निजी डॉक्टरों पर भरोसा:पिछले 20 दिनों से जो डॉक्टर लगातार वांगचुक की सेहत की जांच कर रहे थे, उनके परामर्श के बाद ही कोई अगला कदम उठाया जाना चाहिए।

>> बिना जानकारी के कार्रवाई का आरोप:गीतांजलि का आरोप है कि पुलिस और प्रशासन ने जंतर-मंतर से अस्पताल लाते समय न तो सोनम को कोई सूचना दी और न ही परिवार को इसके बारे में पहले से बताया।

वांगचुक का हेल्थ अपडेट: डिहाइड्रेशन और पोटैशियम लेवल गिरने स

लगातार 20 दिनों तक अन्न का त्याग करने के कारण 60 साल के सोनम वांगचुक का शरीर अब जवाब देने लगा है। सफदरजंग अस्पताल की डॉक्टर चारु बंबा ने उनका आधिकारिक हेल्थ स्टेटस (status) मीडिया के सामने रखा है, जिसके मुताबिक लंबे उपवास के कारण उनके शरीर के मुख्य वाइटल पैरामीटर्स में उतार-चढ़ाव देखा गया है।

इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन और जान का खतरा

डॉक्टरों की रिपोर्ट के अनुसार, वांगचुक के शरीर में पानी की भारी कमी यानी डिहाइड्रेशन (Dehydration) पाई गई है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि उनके शरीर का पोटैशियम लेवल (Potassium Level) बहुत तेजी से गिरा है। कल तक जो पोटैशियम लेवल 4.3 था, वह घटकर अब महज 2.9 पर पहुंच गया है। चिकित्सा विशेषज्ञों का कहना है कि पोटैशियम का स्तर इतना कम होना दिल की सेहत के लिए बेहद खतरनाक हो सकता है और इससे मरीज की जान को भी जोखिम हो सकता है। हालांकि, अस्पताल प्रशासन का कहना है कि वह पूरी तरह होश में हैं और उनकी स्थिति को स्थिर करने का प्रयास किया जा रहा है।

दिल्ली पुलिस की कार्रवाई: हाई कोर्ट के आदेश और डॉक्टरों की स

सामाजिक कार्यकर्ता को जबरन उठाने के आरोपों पर नई दिल्ली के पुलिस उपायुक्त (DCP) ने आधिकारिक बयान जारी कर सफाई दी है। दिल्ली पुलिस का कहना है कि उन्होंने किसी भी कानून का उल्लंघन नहीं किया है और कानून और व्यवस्था (Law and Order) के तहत ही यह कार्रवाई की गई है। भारतीय कानूनों और अदालती फैसलों की प्रामाणिकता को समझने के लिए आप हमारी दूसरी गाइडइंडिया कोड: भारत के सभी कानून और अधिनियम अब एक ही पोर्टल पर!देख सकते हैं।

दिल्ली हाई कोर्ट के निर्देशों का पालन

पुलिस प्रशासन ने अपनी कार्रवाई को सही ठहराते हुए निम्नलिखित तर्क पेश किए हैं:

>> अदालत का हस्तक्षेप:दिल्ली हाई कोर्ट (Delhi High Court) की दो जजों की बेंच ने सरकार को सोनम वांगचुक की स्वास्थ्य स्थिति पर चौबीसों घंटे नजर रखने का निर्देश दिया था।

>> मेडिकल इमरजेंसी:विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने जब पुलिस को लिखित सलाह दी कि वांगचुक का गिरता पोटैशियम स्तर जानलेवा हो सकता है, तब पुलिस ने कोर्ट के आदेश के तहत उन्हें अस्पताल शिफ्ट करने का निर्णय लिया।

>> अधिकतम संयम का दावा:डीसीपी ने कहा कि प्रदर्शनकारियों ने पुलिस के काम में बाधा डालने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने अधिकतम संयम बरतते हुए पूरी प्रक्रिया को शांतिपूर्ण ढंग से और सुरक्षित तरीके से संपन्न किया।

आंदोलन नहीं रुकेगा: वांगचुक की जगह अब पत्नी गीतांजलि करेंगी

सोनम वांगचुक को भले ही अस्पताल में नजरबंद या भर्ती कर दिया गया हो, लेकिन उनके आंदोलन की आग ठंडी होती नहीं दिख रही है। उनकी पत्नी गीतांजलि जे अंगमो ने मीडिया के सामने आकर यह साफ कर दिया है कि उनके पति को हिरासत में लेकर या अस्पताल में रखकर इस आंदोलन को कुचला नहीं जा सकता।

सोमवार को योजना के अनुसार आगे बढ़ेगा मार्च

गीतांजलि ने ऐलान किया है कि आगामी सोमवार को होने वाला 'चलो संसद' मार्च अपने पूर्व निर्धारित शेड्यूल के अनुसार ही निकाला जाएगा। उन्होंने हुंकार भरते हुए कहा, 'अगर सोनम अस्पताल से बाहर नहीं आ पाते हैं, तो उनकी जगह इस ऐतिहासिक मार्च का नेतृत्व मैं खुद आगे बढ़कर करूंगी।' उन्होंने समर्थकों से अपील की है कि वे विचलित न हों और अपनी आवाज बुलंद रखें। खेल और अन्य दिल्ली-केंद्रित अपडेट्स को चेक (check) करने के लिए आपकूपर कोनोली फिर लेंगे मैदान? दिल्ली के खिलाफ बड़े अपडेटभी पढ़ सकते हैं।

समर्थकों का पुलिस पर आरोप: जबरन घसीटने और मारपीट करने का दावा

जंतर-मंतर पर मौजूद चश्मदीदों और आंदोलन के प्रमुख सहयोगियों ने दिल्ली पुलिस की इस कार्रवाई को पूरी तरह से बर्बर और अलोकतांत्रिक बताया है। कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

तड़के सुबह की गई पुलिसिया कार्रवाई

अभिजीत दीपके ने बताया कि शनिवार सुबह करीब 7:00 बजे जब वह कुछ देर के लिए धरना स्थल से फ्रेश होने निकले थे, तभी भारी संख्या में पुलिस बल ने कैंप पर धावा बोल दिया। समर्थकों का आरोप है कि पुलिस 20 दिनों से भूखे 60 साल के बुजुर्ग कार्यकर्ता को सम्मानजनक तरीके से ले जाने के बजाय जबरन घसीटते हुए ले गई। अभिजीत का दावा है कि जब उन्होंने इसका विरोध करने की कोशिश की, तो पुलिसकर्मियों ने उनके साथ भी मारपीट की, जो कि बेहद निंदनीय है।

आगे की रणनीति: नई बेमियादी भूख 'का ऐलान और 20 जुलाई का मार्च

सोनम वांगचुक के अस्पताल जाने के बाद आंदोलनकारी कोर कमेटी ने अपनी नई रणनीतियों की आधिकारिक घोषणा कर दी है ताकि नीट परीक्षा के खिलाफ चल रही इस लड़ाई को और धार दी जा सके। प्रदर्शनकारियों ने साफ किया है कि वे पीछे हटने वाले नहीं हैं।

अभिजीत दीपके बैठेंगे बेमियादी अनशन पर

आंदोलन को निरंतर बनाए रखने के लिए कॉकरोच जनता पार्टी के एक्स अकाउंट से एक नया पीडीएफ (PDF) और संदेश जारी कर निम्नलिखित घोषणाएं की गई हैं:

>> नया अनशन शुरू:सोनम वांगचुक की अनुपस्थिति में अब अभिजीत दीपके जंतर-मंतर पर ही बेमियादी भूख हड़ताल पर बैठेंगे।

>> चलो संसद मार्च: आगामी 20 जुलाई 2026 को प्रस्तावित चलो संसद मार्च की सूची (list) तैयार कर ली गई है और इसे देशव्यापी समर्थन के साथ निकाला जाएगा।

>> ऑनलाइन अभियान: छात्र और युवा घर बैठे इस आंदोलन से जुड़ सकें, इसके लिए apply online और डिजिटल पिटीशन कैंपेन भी शुरू किया जा रहा है।

निष्कर्ष

नीट परीक्षा विवाद को लेकर सोनम वांगचुक का यह अनशन अब एक बड़े राजनीतिक और सामाजिक आंदोलन का रूप ले चुका है। दिल्ली पुलिस द्वारा उन्हें जंतर-मंतर से हटाकर सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराना भले ही स्वास्थ्य कारणों से लिया गया फैसला बताया जा रहा हो, लेकिन इसने आंदोलनकारियों के इरादों को और मजबूत कर दिया है। पत्नी गीतांजलि के नेतृत्व में 20 जुलाई को होने वाले चलो संसद मार्च पर अब पूरे देश की नजरें टिकी हुई हैं। देखना होगा कि सरकार इस गंभीर छात्र हित से जुड़े मुद्दे और इस बड़े प्रदर्शन पर क्या रुख अपनाती है।

जनता के सवाल (FAQs)

नीट परीक्षा विवाद के खिलाफ लगातार 20 दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे सोनम वांगचुक की तबीयत बहुत ज्यादा बिगड़ गई थी। डॉक्टरों की सलाह और दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश के बाद पुलिस ने उन्हें इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया।

सोनम वांगचुक को दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल (Safdarjung Hospital) के मेडिसिन विभाग में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत फिलहाल स्थिर बनी हुई है।

डॉक्टरों के अनुसार, लंबे उपवास के कारण उनके शरीर में डिहाइड्रेशन (पानी की कमी) हो गई है और पोटैशियम का स्तर 4.3 से घटकर 2.9 हो गया है, जो कि चिंताजनक है। हालांकि वे पूरी तरह होश में हैं।

गीतांजलि ने मांग की है कि जब तक परिवार या उनके निजी डॉक्टरों की लिखित सहमति न हो, तब तक सोनम वांगचुक को मुंह या नस (IV) के जरिए जबरन कोई भी दवा या लिक्विड न दिया जाए।

नहीं, चलो संसद मार्च रद्द नहीं हुआ है। यह मार्च आगामी 20 जुलाई 2026 (सोमवार) को तय समय पर ही निकाला जाएगा और सोनम वांगचुक की अनुपस्थिति में उनकी पत्नी गीतांजलि इसका नेतृत्व करेंगी।

सोनम वांगचुक के अस्पताल जाने के बाद आंदोलन को आगे बढ़ाने के लिए कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने अब जंतर-मंतर पर बेमियादी भूख हड़ताल शुरू करने का ऐलान किया है।